

শ্বন্ধর প্রবিটেইবাবার্থনা শ্বন্ধন্ত্র্ব প্রবিদ্যুর বার্থনা



SYC	ळॅंया'याह्यऱ्।	न्धेर प € न्।
A1	শুষ্ব্বস্থাব্দ (H) শুষ্ব্বস্থাব্দ (Q) to explain in detail or extensively	ञ्चार्थः हैका केंका ग्राह्म प्रमाण स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था
A2	বশ্বেদ্র্যা the first [set of] teachings, the first [turning of the] wheel of Dharma	মন্ম ক্রম ক্রম ক্রম ক্রম ক্রম ক্রম ক্রম ক্
A3	মন্ব মন্ত্রি ক্রম মের্বিম্ the teaching/turning of the wheel of Dharma regarding the Four [Noble] Truths	মন্ম ক্রম শূর্ম বিশ্বন্থ ন্ত্র নের্বির প্রান্তর বিশ্বন্থ নির্বাধির প্রান্তর বিশ্বন্থ নির্বাধির প্রান্তর বিশ্বন্ধ নির্বাধির বিশ্বন নির্বাধির নির্বাধির বিশ্বন্ধ নির্বাধির
A4	বশ্বেম্বা the second [set of] teachings,	यदः ह्रेषायः चुः मूर्पः सुर्पः सुर्वः सेतः चुर्वः स्थ्यः सुर्यः स्थ्यः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थ



	(lit. the middle [set of] teachings)	ন্দ্ৰেন্দ্ৰন্দ্ৰ
A5	বিশ্ববিশ্বরা the third [set of] teachings (lit. the last [set of] teachings)	नितः हेका त्या ध्या ध्या ध्या घर क्या व्या क्या च्या व्या च्या च्या च्या च्या च्या च्या च्या च
A6	খুবা'নম্থন'ট্ৰ)'নদ্ব'ব্। the Truth of Suffering	মিঅম'ন্তর'প্রঅম'ন্তন্'শ্রুবা'ন্স্থা'থ্য'প্রম'ন্ন'র্ব্বা May all sentient beings be free from suffering.
A7	শুৰ্'নেছুদ'দ্বী'নদ্ৰ্ব'ম্বা the Truth of Origin [of suffering]	गुत्र त्वुर्र (गे प्रदेत पा) बेर त्र धृषा प्रध्या र्कंर आ त्वुर षारे या बेर ग्री थेंद्र रेट्। The ("truth of) origin" refers to the source of all suffering.
A8	র্ন্য্ব্র্ব্র্ব্র্র্ব্র্র্র্ব্র্র্র্র্ব্র	त्र्वेष प्रियम्बर्धः चेर्र्धः स्वाप्य प्रम्य प्रम



B1	শ্ব্যান্ত্রী বাদ্বি শ্বা the Truth of the Path বাশ্বাব্যান্ত্রী to clarify, to explain clearly (H)	শ্লবন্ধান্ত্রিন্দ্র্রান্ত্র্র্র্রান্ত্র্র্র্রান্ত্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্
		please clearly explain it.
В3	ন্বিম্বা samsara, cyclic existence	रोअषा छत् किट आ दिविस पा प्रवास स्वास प्रवास प्यास प्रवास
B4	ম্ভ্রান্ত্র্ব্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্ব্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্ব্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্ব্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্ব্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্ব্বান্ত্ব্বান্ত্ব্ব্ব্ব্বান্ত্ব্ব্ব্ব্ব্ব্বান্ত্ব্ব্ব্ব্ব্বান্ত্ব্ব্ব্ব্ব্ব্ব্ব্ব্ব্ব্ব্ব্ব্ব্ব্ব্ব্	भ्रान्त्र त्र त्या मुह्म त्या त्र त्या प्रान्त त्या प्रान्त त्या स्था ह्य त्या मुह्म त्या प्रान्त त्या प्रान्त त्या स्था ह्य त्या प्राप्त हिमा प्राप्त हिमा प्राप्त हिमा स्था हिमा स्था हिमा हिमा हिमा हिमा हिमा हिमा हिमा हिम
B5	কু'ব্দ'নেল্লম'ন্ত্য cause(s) and result(s)	तज्ञषातुःर्क्याकुःष्यषाज्ञुदःराःसेत्। क्रुःक्षेत्रवःतज्ञषातुः र्ष्यत्रवःसेत्। All results arise from causes. Without a cause, there is no result.
В6	환지 what is to be given up or abandoned	ह्या प्रह्म्य र्क्ष्ट अ ह्या प्रह्म्य प्रत्य हित्र मित्र प्रित्य मित्र प्रत्य हित्र मित्र हित्र मित्र प्रत्य हित्र मित्र हित्र हित्र मित्र हित्र



	1	
В7	वेषद्य.श्र.श्रट.ञ्	ヨニ・愛コ・別・対対ないとことがこ、手・方・葉・らみないが、ヨニ・ヨ・ナノ
	what is to be practiced or adopted	Bodhicitta and compassion are what is to be practiced.
C 1	नेराधिवः (नेषार्याणीः यार्रेषाः मुःधिवाय)	नुस्रमः भेत्रः वार्सः चॅर्ने : दोषा स्वा ग्री : स्वर : द्वीत्र : दो रेत्।
	abr. of <i>prajnaparamita</i> /	The main practice is the perfection of wisdom.
	Perfection of wisdom	
C2	위 ^고 지지.	다.윷.뷫x.�al.러당.\甘스x.ॲ.스xx,뷫.al다.^^요.xr.^^^
	in the context of	गर्नेट कु र्येट अ रेट्।
		In the context of meditation, we are not supposed to
		think about random things.
	रट वी टें वेंबा आ सुवाया	<u> च्याप.त्र.तपु.श्रेचथ.थी.थत्थ.भैथ.कूथ.घषथ.२८.५८.</u>
C3	not established by their own essence	वी में में में अर बादा पर में पर में
		In the context of the middle set of teachings the
		Buddha taught that all phenomena are not
		established by their own essence.
C4	रट वी अर्ळत्र किट् ग्रीका सम्चारा या	रट ग्रीकार्ट र्चेका का शुपारा बेर प्या प्रट रर्ट ग्री अर्ळव किट
	not established by their own	ग्रीमामान्याची के मार्च मिन्न मार्च मिन्न मार्च
	characteristics	Not established by their own essence refers to not
		being established by their own characteristics. Both
		of these mean the same thing.
C5	क्रॅंट'रा'वेट्।	क्रॅंट रा नेट मी देव रेव रेव रेव के सेट रादे वारेट वारेट
	emptiness (skt. Shunyata)	रें ५ वि
		The meaning of emptiness is incredibly profound.
C6	च मूर्स्र रिंदे रे र्	चु'र्केट्'स्ट्रार्चेदे'रे'ट्रे'बटब'कुब'ग्री'वेब'र्रा 'ब्रेट'र्च'वब्रुट'
		यत्र यात्रयास्य केत्र र्ये 'ठिया सेन्।



৩৩| | র্ম'র্র্'ব'ইর'ক্টর্'ব্র≡ের্ব্রি'শ্লুন'শ্লুর'র্শ্লুব'র

	Vulture Peak (near Rajgir, India)	Vulture Peak is a sacred place where the Buddha taught the heart of the perfection of wisdom.
C7	ন্র্ন্-ব্রুন্-র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র	মন্ম ক্রম ক্রম ক্রম ন্ম ন্ম ন্ম ন্ম ন্ম ন্ম ন্ম ন্ম ন্ম ন্
C8	ద్-శ్రాద్య Dipamkara	র্মিন্ শ্রুদ্রমান্ত্রদান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রদান্ত্রম
С9	నాణక్రేష Subhuti	रपायर्चेराचेराध्यापि श्राम्यामुकाग्रीप्यप्त्याच्यार्चार्चार्चेर्या रेप्
C10	ম্ন্ই। the set of sutras	మర్ పై चेर 'ట్ఫార్' నిర్మా హ్రామ్ 'బ్ఫార్స్ 'బ్ఫార్స్ 'స్స్ స్ 'స్ 'స్ 'స్ 'స్ 'స్ 'స్ 'స్
D1	অই শ্রুমেন সাম বাদীবার মা Lankavatara Sutra, "Descent into Lanka Sutra"	अर्दे 'ति 'त्रान्त्रा कुत्र'त्रीट 'वा' त्रात्रे 'खुत्र'त्र' वेत्र 'त्रे त्र 'त्र त्र 'त्र 'त्रे त्र 'त्र 'त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र
D2	স্ট্রাক্সিন্র স্থান্ত বিশ্ব ক্রিন্র স্থান্ত বিশ্ব ক্রিন্ত বিশ্ব ক্রিন্ত বিশ্ব ক্রিন্ত বিশ্ব ক্রিন্ত বিশ্ব কর্মিন ক্রিন্ত বিশ্ব ক্রিন্ত বিশ্ব ক্রিন্ত বিশ্ব কর্মিন ক্রিন্ত বিশ্ব ক্রিন্ত বিশ্ব কর্মিন ক্রিন্ত বিশ্ব কর্মিন ক্রিন্ত বিশ্ব ক্রিন্ত বিশ্ব ক্রিন্ত বিশ্ব ক্রিন্ত বিশ্ব কর্মিন ক্রিন্ত বিশ্ব ক্রিন্ত	रोअषा उत्र क्रंट अदे क्रुट् त्यावस्य पटि ग्रेविष हेट र्रें ऑट् रेट्रा चुषा र्वट ट क्रें क्रंट स्य स्यट्य क्रुष थया ऑट् रेट्रा All sentient beings possess Buddha-nature, therefore we can all obtain Buddhahood.



D3	মীস্থান্য সেন্দ্র নির্দিশ্ব ক্রিন্দ্র ক্রিন্দ	बेशवाणी प्रतापिक के प्रतापिक प्रतापिक का
D4	र्गे देख। order, sequence	ট্রিস্স্ম্রেক্স্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্
D5	র্ম্ন'ন্ন্ব্ৰা (spiritual) master, <i>acharya</i> , scholar, teacher	స్ట్రార్లు కారు ప్రాల్థులు ప్రాలు ప్రాల్థులు ప్రాలు ప్రాలు ప్రాల్థులు ప్రాల్థులు ప్రాల్థులు ప్రాల్థులు ప్రాల్థులు ప్రా
D6	ব্ৰহ্ণ scripture, text with established validity	ग्रह्म ने प्राप्त प्रिक्ष प्रमानि प्राप्त प्राप्त प्रमानि प्र
D7	বৃদ্ধু'বান্ধু'বা the <i>Madhyamika</i> (text), <i>The Four Hundred (Verses)</i>	ব্র'ঝ'বনি বন্ধু'ব'ঝর্ল্ব'ব্র্র্র'ব্র্র্র'ব্র্র্র'ব্র্র্র'ব্র্র্র'ব্র্র্র'ব্র্র্র্র
D8	নর্মিস্-র্মম্য-মার্থির্-ঘা non-meritorious (actions)	श्चीत्र प्रति त्यम पानिम प्रति । भाषीत्र प्रति त्यम पानिम प्रिंत् न्यम ग्री त्यम प्रति । भाषीत्र प्रति त्यम पानिम प्रति ।



		Generally speaking there are two kinds of karma, one which is meritorious and the other non-meritorious.
D9	মৰ্ক্ক্রিবা to abolish, to eliminate	に で
D10	ST.5 Between, in the middle.	তাৰে can do Tara Techanon and Tead the Heart Sulfa. [ব'ম্ন্'বাধ্ন'ক্র্ম'শ্ল্ন্ন্ম্ব'এ'বাধ্ন্ন্ত্র্ম'শ্ল্ন্ন্ম্ন্ অ'শ্ল্ন্ন্ত্র্ম্ন্ন্ন্ন্ন্ Yesterday during the teaching, Drolma sat between Tenzin and I.
E1	মহন মা at the end, finally	নের্ব্রম:ক্রুমান্দের্ব্রান্ত্র্বর্বন্ত্র্রান্ত্র্রান্ত্র্রান্ত্র্রান্ত্র্রান্ত্র্রান্ত্র্বন্ত্র্রান্ত্রন্ত্রন্ত্র্ন্ত্রন্ত্রন্ত্র্রান্ত্রন্ত্র
E2	ह्र'यावे'गाव। the basis of all views	ह्र'ण्नि'गुत्र'चेर'त्र'त्र'त्र'त्र'त्रंत्र'त्रंति'य्नि'य्यंचेर'ग्री'र्थेत्'रेत्। The "basis of all views" refers to the basis of every view.
E3	र्ह्य। how to, the way to	भ्रेष्ट्रं अते प्रम्थ क्ष्य क्
E4	ব্দ্রার্থির clinging to the self, conception of a self	নদ্বা নেইব দৈ নের্বিম নের স্ক নের মিন্। Clinging to the self is the root of samsara.
E5	된다.기	नन्गायह्में अत्राह्मान्य वितान्य वित्राचा वित्राची वित्रा



	to abandon, to give up	If one is able to abandon clinging to the self, one can be free from <i>samsara</i> .
E6	বদ্যাস্ত্রদ্বা selflessness, no-self	प्रमा से प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र स्था स्था प्राप्त क्षेत्र स्था स्था प्राप्त क्षेत्र स्था स्था प्राप्त क्षेत्र स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था
E7	র্ক্তাহা to realize, to fully understand	र्ह्नेट पानेट हैं ज्ञान था जा प्राप्त का कि least easy.
E8	বাষ্থ্য স্থ্রীন বেদ্ববা the union of clarity and emptiness	वाष्ट्रभार्त्रम् चित्रप्रवाचित्रः धवार्त्रम् चित्रप्रवाष्ट्रम् वित्रम् वित्रम
		unifying clear light and emptiness.